प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी कर सकते हैं उद्यमिता विकास का नेतृत्व : प्रो. मिश्रा

पंतनगर। २४ मार्च, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय में हाल ही में स्थापित उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ई-सेल) द्वारा आज एक 'फुटप्रिंट्स १८' कार्यशाला की शुरूआत की गई, जिसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, थे। सत्र में उधमसिंह नगर जिले की उप-जिलाधिकारी, सुश्री युक्ता मिश्रा, भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर सेवायोजन एवं परामर्श निदेशालय के निदेशक, डा. टी.के. भट्टाचार्य, एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. एच.सी. शर्मा, भी मंचासीन थे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. मिश्रा ने कहा कि भारत में ५० प्रतिशत लोगों की उम्र २५ वर्ष से कम है तथा ६५ प्रतिशत लोग ३५ वर्ष से कम उम्र के हैं। ऐसे में इस बड़ी संख्या के युवाओं को रोजगार देना एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसके लिए यह आवश्यक है कि युवाओं में उद्यमिता विकास के प्रयास तेज किये जाएं, ताकि वे स्वयं उद्यमी बनकर दूसरों को रोजगार देने में सक्षम हो सकें। इस दिशा में पंतनगर में प्रारम्भ हुए प्रयासों को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया तथा यहां शीघ्र एक इन्क्यूबेशन सेंटर विकसित किये जाने के बारे में भी सूचित किया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा दिये गये नवोन्मेषी विचारों का परीक्षण कर उनकी उपयोगिता की जांच की जाएगी। प्रो. मिश्रा ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु 'अर्न व्हाइल यू लर्न' कार्यक्रम के अंतर्गत उनसे विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों को सम्पन्न कराया जाएगा जिसके लिए उन्हें उचित पारिश्रमिक भी दिया जाएगा। कौशल विकास की दिशा में भारत सरकार द्वारा चलायी गयी विभिन्न योजनाओं जैसे, स्टार्ट अप इंडिया, मेक इन इंडिया, इत्यादि का भी उन्होंने जिक्र किया तथा आशा प्रकट की कि शिक्षण संस्थान सृजनात्मक नेतृत्व वाले विद्यार्थियों को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे जो देश में उद्यमिता विकास का मार्ग प्रशस्थ करेंगे।

इस अवसर पर सुश्री युक्ता मिश्रा ने विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग तथा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारियां किये जाने के संबंध में मार्गदर्शन किया। उन्होंने एनसीईआरटी की पुस्तकों का अध्ययन करने के साथ-साथ कक्षा १२ अथवा स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए विद्यार्थियों से कहा। साथ ही उन्होंने इन परीक्षाओं से प्राप्त होने वाली नौकरियों को राज्य व देश का कर्ज चुकाने के नजरिये से देखे जाने के लिए कहा। सुश्री मिश्रा ने इन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प एवं सकारात्मक नजरिया आवश्यक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी निराकरण किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डा. भट्टाचार्य ने ई-सेल के इस प्रथम कार्यक्रम के उद्देश्यों तथा दो दिनों तक चलने वाली कार्यशाला में होने वाले विभिन्न व्याख्यानों के बारे में बताया। इनमें आईआईएम बैंगलोर के डा. आकर्ष नायडू, आईआईएम काशीपुर के डा. रजत शर्मा एवं ईशेल वेलनेस एंड हैल्थकेयर प्रा. लि. कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री पवन कुमार द्वारा विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास हेतु प्रोत्साहित करने व जानकारी देने के लिए व्याख्यान सम्मिलित हैं। ई-सेल के श्री सुधांशु गुप्ता द्वारा इस सेल के उद्देश्यों एवं कार्य-कलापों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थियों द्वारा ही किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति एवं मुख्य अतिथि, प्रो. ए.के. मिश्रा।